5J8865

उत्तरांचल UTTARANCHAL

30 OCT 2007

<u>विक्रय पत्र</u>

1- विक्रय पत्र-2,60,000/-

2- बाजारी मूल्य-2,80,000/-

3- स्टाम्प शुल्क-22,500/-रूपये

4- आवास विकास शुल्क-सम्मलित नहीं है।

Scanned with CamScanner

उत्तरांचल UTTARANCHAL

531111

31 OCT 2007

5- कुल स्टाम्प शुल्क-22,500/-रूपये

6- स्थित-ग्राम गैण्डीखाता परगना नजीवाबाद तहसील व जिला हरिद्वार।

7- क्षेत्र- ग्रामीण क्षेत्र (कृषि भूमि)

8- सम्पत्ति तथा उसका प्रकार-कृषि भूमि खसरा नं0 98/2अ कुल विक्रीत रकबा 0.4000 हैक्टेयर स्थित ग्राम गैण्डीखाता परगना नजीवाबाद तहसील व जिला हरिद्वार।

9- मुख्य मार्ग से दूरी-लगभग 1 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है।

10- पृष्ठ- 26 क्र0सं0-87 रेट उच्चतम दर-7,00,000/-रूपये प्रति हैक्टेयर

11- वार्षिक लगान 10.00/-रू0 से मालियत 8000/-रूपये। विक्रेता अनुसूचित जाति/जनजाति से नहीं हैं। विक्रीत रकबा राष्ट्रीय/प्रान्तीय मार्ग के सहारे नहीं है। कृषि की भूमि है। क्रेता के पिता लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री रेठू के पास ग्राम दल क्वारी परगना कीर्तिनगर तहसील देवप्रयाग जिला टिहरी गढ़वाल में 12-9-2003 से पहले से कास्त की भूमि है। इसलिए क्रेता उत्तराखण्ड के कृषक परिवार के अन्तर्गत आता है। प्रमाण संलग्न है।

Scanned with CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL A 651855

3

मैं कि मोहर सिंह चौहान पुत्र श्री फतेह सिंह चौहान निवासी चकजोगीवाला तहसील ऋषिकेश जिला देहरादून का हूँ।

जो कि जोत आराजी भूमि खाता संख्या 11 खसरा नं0 98/2अ रकबा 0.4000 हैक्टेयर भूमि विक्रय की है। जो स्थित ग्राम गैण्डीखाता परगना नजीवाबाद तहसील व जिला हरिद्वार है। जिसका मैं एक मात्र स्वामी व अधिकारी बिना किसी साझी का हूँ। और मेरे स्वत्व अधिकारों में चली आ रही है। जो आज तक हर प्रकार के ऋण परिवर्तन आदि के भार से शुद्ध व मुक्त है। किसी बैंक, सोसायटी, संस्था आदि में बन्धक नहीं है। अब अपनी इच्छा व प्रसन्नता से उपरोक्त कृषि भूमि मय हर प्रकार के स्वत्व अधिकारों के मुब0 2,60,000/-दो लाख साठ हजार रूपये के बदले में यशवन्त सिंह रावत पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह निवासी नुन्नावाला भानियावाला तहसील ऋषिकेश जिला देहरादून को विक्रय कर दिया है। और कुल रूपये पहले प्राप्त कर चुका हूँ। क्रेता को मौके पर कब्जा करा दिया

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL A 651851

है। वह उसमें कास्त आदि करे, विक्रय आदि करे, मुझे व मेरे उत्तराधिकारियों को कोई उजर नहीं होगा। और न भविष्य में होगा। क्रेता दाखिल खारिज अपने नाम तस्दीक करा ले मुझे कोई उजर नहीं होगा। यदि भविष्य में उपरोक्त विक्रीत आराजी किसी कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता के अधिकार से निकल जाये या उसे कोई भार आदि चुकाना पडे तो ऐसी हर एक अवस्था में क्रेता को पूर्ण अधिकार होगा, कि वह अपना कुल रूपया मय ब्याज के द्वारा न्यायालय मुझ विक्रेता की चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर ले, मुझ विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी और न भविष्य में होगी। विक्रीत भूमि के बावत क्रेता व विक्रेता के मध्य कोई इकरारनामा नहीं हुआ है। उक्त भूमि मैंने कुंवर सिंह रावत पुत्र श्री मोहन सिंह से क्रय किया था, जिसकी रजिस्ट्री बही नं0 1 जिल्द 128 के पृष्ठ 379-396 द0नं0

Scanned with CamScanner

UTTARANCHAL A 651852

5

8105 प्रमाणित दिनांक 19-5-2007 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय हरिद्वार में पंजीकृत है। विक्रीत रकबा के पूरब में जंगलात, पश्चिम में नाला, उत्तर में रास्ता व दक्षिण में बेताल सिंह का खेत है। विक्रीत भूमि के बावत कोई वाद-विवाद किसी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है। क्रेता ने उत्तराखण्ड भू अधिनियम की धारा 29/03 के नियमों का पालन किया है।

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32-ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिंटस।

विक्रेता का नाम :-

बायें हाथ की अंगुलियों के निशान

अगुठा तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका

दायें हाथ की अंगुलियों के निशान

अगुठा तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका

Scanned with CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL

A 651853

31 OCT 2007

2007-08

6

अतः यह विक्रय पत्र निम्न गवाहान के सम्मुख लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32-ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिंटस।

क्रेता का नाम :-

बायें हाथ की अंगुलियों के निशान

अंगुठा तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका

दायें हाथ की अंगुलियों के निशान

अंगुठा तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका

Scanned with CamScanner

Seller

Buyer

WITNESS

बही नम्बर 1 जिल्द 445 पृष्ठ 299 से 312 तक

में नम्बर 15,012 पर आज दिनांक 12-November-2007

में रजिस्ट्री की गयी

उपनिबंधक सदर हरिद्वार

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL

7

रूपयों का विवरण:-कुल रूपये मु0 2,60,000/-दो लाख साठ हजार
कर चुका हूँ। रजिस्ट्री पश्चात कोई रूपया शेष नहीं रहेगा।

दिनांक-12-11-2007

ह0   ह0

सा0   सा0

नाम स्वरूप सिंह राणा/   पु0 सोहन लाल
स्व0 श्री बिशन सिंह राणा   निवासी सनार गाँव
ग्राम जौनी ...

टाईप एवं रचियता